

Jai Ambe Gauri Maiya Jai Shyama Gauri Aarti Lyrics in Hindi English

Jai Ambe Gauri Maiya Jai Shyama Gauri Aarti Lyrics in Hindi

जय अम्बे गौरी,
मैया जय श्यामा गौरी ।
तुमको निशदिन ध्यावत,
हरि ब्रह्मा शिवरी ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

मांग सिंदूर विराजत,
टीको मृगमद को ।
उज्ज्वल से दोउ नैना,
चंद्रवदन नीको ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

कनक समान कलेवर,
रक्ताम्बर राजै ।
रक्तपुष्प गल माला,
कंठन पर साजै ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

केहरि वाहन राजत,
खड्ग खप्पर धारी ।
सुर-नर-मुनिजन सेवत,
तिनके दुखहारी ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

कानन कुण्डल शोभित,
नासाग्रे मोती ।
कोटिक चंद्र दिवाकर,
सम राजत ज्योती ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

शुंभ-निशुंभ बिदारे,
महिषासुर घाती ।
धूम्र विलोचन नैना,
निशदिन मदमाती ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

चण्ड-मुण्ड संहारे,
शोणित बीज हरे ।
मधु-कैटभ दोउ मारे,
सुर भयहीन करे ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

ब्रह्माणी, रुद्राणी,

तुम कमला रानी ।
आगम निगम बखानी,
तुम शिव पटरानी ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

चौंसठ योगिनी मंगल गावत,
नृत्य करत भैरों ।
बाजत ताल मृदंगा,
अरू बाजत डमरू ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

तुम ही जग की माता,
तुम ही हो भरता,
भक्तन की दुख हरता ।
सुख संपत्ति करता ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

भुजा चार अति शोभित,
वर मुद्रा धारी । [खड्ग खप्पर धारी]
मनवांछित फल पावत,
सेवत नर नारी ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

कंचन थाल विराजत,
अगर कपूर बाती ।
श्रीमालकेतु में राजत,
कोटि रतन ज्योती ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

श्री अंबेजी की आरति,
जो कोई नर गावे ।
कहत शिवानंद स्वामी,
सुख-संपत्ति पावे ॥
ॐ जय अम्बे गौरी.. ॥

जय अम्बे गौरी,
मैया जय श्यामा गौरी ।

Jai Ambe Gauri Maiya Jai Shyama Gauri Aarti Lyrics in English

Jai Ambe Gauri,
Maiya Jai Shyama Gauri.
Tumko Nishdin Dhyaavat,
Hari Brahma Shivri.
Om Jai Ambe Gauri..

Maang Sindoor Virajat,
Teeko Mrigmad Ko.
Ujjwal Se Dou Naina,
Chandravadan Neeko.
Om Jai Ambe Gauri..

Kanak Samaan Kalevar,
Raktaambar Raajai.
Raktpushp Gal Maala,
Kanthan Par Saajai.
Om Jai Ambe Gauri..

Keheri Vahan Raajat,
Khadg Khappar Dhaari.
Sur-Nar-Muni Jan Sevat,
Tinke Dukhhaari.
Om Jai Ambe Gauri..

Kanan Kundal Shobhith,
Naasagre Moti.
Kotik Chandra Divakar,
Sam Raajat Jyoti.
Om Jai Ambe Gauri..

Shumbh-Nishumbh Bidaare,
Mahishasur Ghaati.
Dhoomr Vilochan Naina,
Nishdin Madamaati.
Om Jai Ambe Gauri..

Chand-Mund Sanhaare,
Shonit Beej Hare.
Madh-Kaitabh Dou Maare,
Sur Bhayheen Kare.
Om Jai Ambe Gauri..

Brahmani, Rudrani,
Tum Kamala Rani.
Aagam Nigam Bakhani,
Tum Shiv Patraani.
Om Jai Ambe Gauri..

Chausath Yogini Mangal Gaavat,
Nritya Karat Bhairon.
Bajat Taal Mridanga,
Aru Bajat Damru.
Om Jai Ambe Gauri..

Tum Hi Jag Ki Mata,
Tum Hi Ho Bharta,
Bhaktan Ki Dukh Harata.
Sukh Sampatti Karata.
Om Jai Ambe Gauri..

Bhuja Chaar Ati Shobhith,
Var Mudra Dhaari. [Khadg Khappar Dhaari]
Manvanshit Phal Paavat,
Sevat Nar Nari.

Om Jai Ambe Gauri..

Kanchan Thal Virajat,
Agar Kapoor Baati.
Shrimalketu Mein Raajat,
Koti Ratan Jyoti.
Om Jai Ambe Gauri..

Shri Ambeji Ki Aarti,
Jo Koi Nar Gaave.
Kahat Shivaanand Swami,
Sukh-Sampatti Paave.
Om Jai Ambe Gauri..

Jai Ambe Gauri,
Maiya Jai Shyama Gauri.

About Jai Ambe Gauri Maiya Jai Shyama Gauri Aarti in English

“Jai Ambe Gauri Maiya Jai Shyama Gauri Aarti” is a powerful and devotional hymn dedicated to Goddess Amba, also known as Goddess Durga or Shakti, who is revered as the supreme divine mother. This aarti praises her infinite strength, wisdom, and divine qualities. The hymn begins by calling out to Goddess Amba, acknowledging her as the remover of pain and the provider of blessings and prosperity. It praises her beautiful and powerful form, with references to her radiant face, her adornment of sindoor, and her eyes resembling the moon.

The aarti goes on to describe her role in vanquishing demons and restoring peace, highlighting her victory over powerful demons like Shumbh, Nishumbh, and Mahishasura. It mentions her connection to Lord Shiva as his consort and emphasizes her significance in the Hindu pantheon. Her vehicle, the tiger, and her weapons, like the sword and the trident, are also praised for symbolizing her strength and valor.

The hymn also describes her as the embodiment of compassion, who fulfills the wishes of her devotees and removes obstacles. The singing of this aarti is believed to invoke Goddess Amba's blessings, ensuring the protection, peace, and prosperity of her devotees. It is a prayer for spiritual and material success, and a call for divine intervention in times of distress.

About Jai Ambe Gauri Maiya Jai Shyama Gauri Aarti in Hindi

“जय अम्बे गौरी, माईया जय श्यामा गौरी आरती” एक भक्ति गीत है जो देवी अम्बे, जो कि दुर्गा या शक्ति के रूप में पूजा जाती हैं, के प्रति समर्पित है। यह आरती माँ के अद्वितीय रूप, उनकी शक्ति और करुणा का गुणगान करती है। गीत की शुरुआत में माँ अम्बे की महिमा का वर्णन किया गया है, उन्हें संसार की माँ, दुखों को हरने वाली और भक्तों की रक्षा करने वाली बताया गया है।

आरती में माँ के रूप का वर्णन है, जिसमें उनका चेहरा उज्ज्वल और आँखें चंद्रमा के समान सुंदर बताई गई हैं। उनका सिंदूर से सजा हुआ मस्तक और रत्नों से सजी माला उनकी दिव्यता को और भी प्रकट करती है। आरती में माँ के द्वारा असुरों का संहार, जैसे महिषासुर, शुंभ, निशुंभ और चण्ड-मुण्ड के वध, को भी श्रद्धापूर्वक बताया गया है, जिससे वे संसार में धर्म की रक्षा करती हैं।

माँ के चार भुजाओं, उनके तेजस्वी वाहन, शेर और उनके हथियारों का भी बखान किया गया है। इस आरती के माध्यम से भक्त माँ अम्बे से अपनी इच्छाओं की पूर्ति और जीवन में सुख-शांति की प्रार्थना करते हैं। यह आरती माँ की कृपा प्राप्त करने का एक मार्ग है और भक्तों के लिए आशीर्वाद का स्रोत है।